6. मेरी बीमारी श्यामा ने ली

स्वाध्याय

1. एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1) सामान्यत: लेखक को कौन-कौन सी बीमारियाँ रहती थी ?

- सामान्यत: लेखक को जुकाम, बुखार, खाँसी, सिरदर्द आदि बीमारिया रहती थी ।

2) लेखक एलोपैथी का उपचार क्यों नही करते थे ?

- लेखक एलोपैथी का उपचार नही करते थे, क्योकि वह महँगा होने के कारण उनकी शक्ति से बाहर था ।

3) बच्चनजी को मुक्ता प्रसादजी ने कौन-सा उपचार बताया था ?

- मुक्ता प्रसादजीने बच्चनजी को लुई कोने के पानी के प्रयोग से रोग दूर करने का उपचार बताया ।

2. सविस्तर उत्तर दीजिए :

1) लेखक बीमारी में भी क्यों काम करते थे ?

- लेखक की आर्थिक स्थिति अच्छी नही थी । घर का खर्च निकालनी के लिए वे स्कूल में पढाते थे और ट्यूशन करते थे । आराम करने से लेखक ये काम नही कर सकते थे । बिना आमदनी के घर कैसे चलता ? छोटे भाई शालिग्राम की आमदनी भी अधिक नही थी । महँगी दवाए भी उनके लिए सिरदर्द थी । इसलिए मजबूरी में बच्चनजी बीमारी में भी काम करते थे ।

2) लेखक की बीमारी सुनकर श्यामा कांपकर तुरंत क्यों संभल गई ?

- डॉ. मुखर्जी ने बच्चनजी को तपेदिक (क्षय) की बीमारी बताई थी। पत्नी श्यामा ने सुना तो वे काँप उठीं। उन्होंने पलभर में अनुभव कर लिया कि उनका काँपना बच्चनजी सहन नहीं कर पाएंगे । पति की संवेदनशीलता से वे भलीभाँति परिचित थीं। वे उन्हें अपनी चिंता से अवगत नहीं कराना चाहती थीं। इसलिए वे तुरंत संभल गईं।

3) लेखक को ऐसा क्यों लगा कि उन्हें श्यामा के लिए जीने का संघर्ष करना चाहिए ?

- बीमारी में लेखक को कर्ज चुकाने की चिता खाए जा रही थी। उन्होंने अपने आपको मरने के लिए छोड़ दिया था। लेकिन तभी उन्हें श्यामा का ख्याल आया। उन्होंने सोचा कि उन्होंने श्यामा के लिए तो कुछ किया ही नहीं। उसके लिए

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कुछ करने लायक उनकी स्थिति ही नहीं थी। अब यदि अपने कर्ज का भार भी उस पर छोड़ जाएँ तो उनके जैसा जघन्य अपराधी कौन होगा? यह सोचकर उन्हें लगा कि उन्हें श्यामा के लिए जीने का संघर्ष करना चाहिए।

4) बच्चनजी की पारिवारिक आर्थिक विपन्नता के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।

- पत्नी श्यामा के साथ हरिवंशराय बच्चनजी का जीवन अत्यंत संघर्षमय रहा। आय के ठोस साधनों से वे वंचित थे। वे स्कल में पढ़ाते थे, ट्यूशन करते थे, अपनी किताबों से भी कुछ पैसे मिल जाते थे। फिर भी खर्च पूरा नहीं हो पाता था। छोटे भाई शालिग्राम का वेतन बहुत कम था। बच्चनजी की बीमारी के बाद तो स्थिति और भी चिताजनक हो गई। महँगी दवाएँ खरीदना मुश्किल हो गया। पिता ने घर बेचकर पुत्र का इलाज कराने की बात की। सही समय पर इलाज न मिलने पर श्यामा की मृत्यु हुई। इस प्रकार बच्चनजी की पारिवारिक आर्थिक विपन्नता का दारुण रूप इस संस्मरण में व्यक्त हआ है।

3. निम्नलिखित वाक्यों का भावार्थ समझाइए :

1) "बीमारी अमीरों की हरमजदगी है, गरीबों को उसे अपने पीछे न लगाना चाहिए।"

- बीमारी अमीरों का हरामीपन है। वे बीमारी में काम न करने का बहाना बना लेते हैं। पैसा होने के कारण उनकी यह कामचोरी चल जाती है। गरीबों को तो रोज मेहनत करके रोजी कमानी पड़ती है। वे बीमारी के नाम पर काम नहीं करेंगे तो उनका गुजारा कैसे होगा। इसलिए गरीबों को बीमार होने से बचना चाहिए।

2) "काम के पीछे बुखार भागे।"

- काम न करनेवाले को मामूली बुखार भी बहुत तेज लगता है। वह उसे दूर करने के लिए दवा लेता है। लेकिन दृढ़ मनोबलवाले व्यक्ति साधारण बुखार को कुछ नहीं गिनते। बुखार में वे अपने काम में लगे रहते हैं। उनका बुखार अपने आप ठीक हो जाता है।

4. शब्दसमूह के लिए एक शब्द दीजिए :

1) जहाँ शरण लिया जा सके - शरणस्थल
2) सौ बरस जीने का आशीर्वाद - शतायु भव
3) शुभ-मार्ग पर चलने का आशीर्वाद - स्वस्तिपंथा

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. विरोधी शब्द दीजिए :

1) चिकना x खुरदरा
2) मधु x कटु
3) क्लेश x शांति
4) विमुक्त x बद्ध

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in